विद्या भारती संकुल संवाद

सा विद्या या विमुक्तये

अप्रैल 2024 चैत्र - बैशाख । विक्रमी सं. 2081

विद्या भारती विज्ञान केंद्र का उद्घाटन

विश्व कल्याण के लिए हो शिक्षा का उपयोग : डॉ.मोहन भागवत जी

जीवन में 'स्व' का बोध और 'स्व' के आधार पर समाज रचना

संगीत विषय में किए गए नवीन प्रयोग

वैचारिक लेख

जीवन में 'स्व' का बोध और 'स्व' के आधार पर समाज रचना

समाज में जीवित रहने का मूल आधार 'स्व' है। स्व नहीं तो समाज भी नहीं रह सकता। उदाहरण स्वरूप पर्शिया देश सामने है, पर्शिया में पर्शिया का कुछ नहीं, न भाषा, न पूजा, न महापुरुष, न ग्रंथ। उनका अपना कुछ नहीं है। 'स्व' का लोप होने से समाज मर गया। पर्शियन कुछ भारत में है टाटा आदि। ग्रीस, ग्रीक देवी-देवता, मूर्तियाँ, मंदिर, अरस्तू, सुकरात, मेगस्थनीज, आर्कमेडिस, पाइथोगोरस वाला आज नहीं। 'स्व' नहीं तो समाज धीरे-धीरे पीछे होकर मरता जाता है। पुरा हूण, यवन आदि के आक्रमणों से तो भारत बच गया लेकिन इस्लाम के आक्रमणों ने हमें हिला दिया।

इस्लाम ने हमारे धर्म, दर्शन सबको नष्ट करने का प्रयास किया। फिर ब्रिटिश, फ्रेंच, पुर्तगाली, डच आदि ईसाई आए। पांडिचेरी में फ्रेंच, गोवा में पुर्तगाली शेष भारत में अंग्रेज ईसाई हमारे स्व को समाप्त करना चाहते रहे। 900 वर्षों के समय लम्बे संघर्ष और पराधीनता ने हिन्दू समाज को झिंझोड़ दिया, इससे बहुत कुछ नष्ट हो गया। ऐसी स्थिति हो गई कि शरीर रहा, साँस रही, बस।

जो अच्छा है उसे स्वीकारें यानि दुराग्रही नहीं। लेकिन अपने 'स्व' को बचाए रखना उतना ही महत्त्व का है। बाह्य आक्रान्ताओं ने हमारे इस 'स्व' पर ही आक्रमण किया। यह ध्यान में रहे कि बहुत कुछ विजातीय तत्त्व हमारे भीतर घुस आया। हमारी भाषा में से कुछ अनावश्यक हटा दिए। पहला आक्रमण भाषा पर हुआ। सन् 50 के बाद दूरभाष – हलो जैसे अनेक शब्द हमारी भाषा में स्थापित कर दिया गया। धीरे-धीरे जीवन में अंग्रेजी के अनेक अनावश्यक शब्द भाषा में आते चले गए हैं क्योंकि 'स्व' का बोध नहीं रहा।

श्री सुदर्शन जी हस्ताक्षर तो हिन्दी में करने का आग्रह सदैव करते थे। ब्लैक बोर्ड के बदले श्यामपट्ट लिखना और बोलना चाहिए। अपनी स्वदेशी भाषा का प्रयोग ध्यानपूर्वक करते हुए विदेशी भाषा के शब्द हटाने का प्रयास कर सकते हैं। यह प्रयोग कैसे ठीक हो इस पर चर्चा कर सकते हैं।

भोजन ईश्वर का प्रसाद है। इसका मानसिक महत्त्व है। यह केवल खाना नहीं है। (खाना खजाना अरबी शब्द), भोजन केवल अपने लिए बनाना इसको पाप कहते है। दूसरों के लिए बनाना व खिलाना पुण्य है। **भुञ्जते ते त्वघं पापा ये पचन्त्यात्मकारणात् ॥ श्रीमद भगवद गीता 3.13 ॥** घर में भोजन करते समय भोजन मंत्र करते हैं क्या? स्वदेशी खाद्य पदार्थ कम तो नहीं हो रहे? पीजा आदि बेकरी के पदार्थ तो नहीं बढ़ रहे। भोजन प्रसाद का रूप है, शुचिता, पवित्रता के साथ भोजन को प्रसाद के

रूप में ग्रहण करना चाहिए। बासी नहीं। अनेक प्रकार के सुपाच्य व्यंजन बनवाए जा सकते हैं।

इसी प्रकार मंगल प्रसंग पर पूजा आदि में भी अनुकूल वस्त्र अपने नहीं, एकादशी व्रत, कार्तिक पूर्णिमा, होली, दीवाली आदि के अवसर अपनी संस्कृति के अनुसार वस्त्र पहनने चाहिए।

हिन्दू कला, हिन्दू स्थापत्य के अनुसार रामकृष्ण मिशन, भारतीय विद्या भवन, स्वामी प्रणवानन्द, रामदेव बाबा, गायत्री परिवार, राम मंदिर भारती स्थापत्य के अनुकूल निर्मित हैं या निर्माण हो रहा है। अपने घरों के नक्शे-पश्चिमी मॉडल (यथा आंगन नहीं) के अनुरूप बन रहे हैं। बिना आंगन का मकान उनकी मजबूरी है क्योंकि उत्तरी गोलार्द्ध में ठण्ड अधिक पड़ती है परन्तु हम कर्क रेखा के निकट रहते हैं यहाँ गर्मी अधिक पड़ती है, अतः गर्मी अधिक होने के कारण हमारे वास्तु में आंगन का महत्त्व है।

भारतीय काल गणना नई पीढ़ी को अपने 12 महीनों के नाम नहीं पता, दिशा का ज्ञान नहीं। बालकों की जन्म तिथि भारतीय तिथि से मनानी चाहिए। परिचय-पत्र पर दोनों तिथि और दिनांक रखने का आग्रह हमें करना चाहिए।

ग्रंथालय, पूजा घर, जूते उतारने का स्थान, चित्र-सज्जा आदि अपने परम्परा के अनुरूप हो, प्रवेश करते ही द्वार पर रंगोली, दीपक, तुलसी दिखाई दे।

'स्व' आचरण से आकाश, धरती, सूर्य, चन्द्रमा, जानवर सबके प्रति हमारा भाव प्रकट हो, हमारी पुरानी कथा-कहानी में लौकिक जगत् के प्रति व्यवहार के मर्म का वर्णन किया है। प्रकृति से हिन्दू का 'स्व' मिला हुआ है इसलिए ही जल को जल देवता, वायु को वायु देवता आदि कहते हैं। जो देता है वह देवता, सूर्य ने प्रकाश, धरती ने फसल आदि दी है। परमात्मा और हमारे बीच में ये देवता हैं। मनुष्य का प्रकृति के साथ एकात्म भाव का सम्बन्ध यही हिंदुत्व है।

जारी ...

सत्य के प्रति हमारा आग्रह निरंतर बना रहा है। विदेशी यात्रियों ने लिखा है, भारतीय झूठ नहीं बोलते हैं। सत्य के प्रति निष्ठा भारत की विशेषता कही गई। अहिंसा-किसी प्रकार की हिंसा नहीं यानि वाणी, मन की हिंसा नहीं हो, यह हमारा आग्रह रहा है।

मितव्ययी जीवन हमारा 'स्व' है। इस मितव्ययिता का संस्कार बच्चों को देते हैं। अपरिग्रह वाली स्थिति को बच्चों को कैसे समझाएँ। अधिक संचय, संग्रह, उपभोग अच्छा नहीं। यह भ्रष्टाचार का मूल है। संचय, संग्रह की प्रवृत्ति कम हो, यह भ्रष्टाचार की जननी है। विलम्ब से सोना दिनचर्या का अंग नहीं रहा। **कलिः शयानो भवति संजिहानस्तु द्वापरः । उत्तिष्ठंस्त्रेता भवति कृतं सम्पद्यते चरन् ॥ ऐतरेय ब्राह्मण 3.3 ॥** प्रातःकाल आक्सीजन का प्रवाह मस्तिष्क में अधिक होता है। प्रातः उठना, पूजा-पाठ करना, भगवान् का स्मरण करना आदि हमारे दिनक्रम का प्रारम्भिक भाग रहा है।

अपने पास जो कुछ है, उसमें से दूसरे की सेवा के लिए कुछ निकालना 'स्व' है। जो कमाया है उसमें से दो, यह भारतीय संस्कृति है। खेत में गेहूँ कटने पर वहीं से समाज के वर्गों को हिस्सा को देना। बाद में अपने घर लाना। हल चलाते बीज डालती महिलाएँ गीत गाती हैं – अच्छी फसल दो हे प्रभु! धान रोपते हुए गाती हैं – साधु, सन्यासी, अतिथि, सबको दूँगी तब मैं रखूँगी।

आध्यात्मिक भाव – बच्चों को समझाना कि हम सब एक ही हैं, दो नहीं। चिड़िया, पक्षी, गाय, भैंस, घोड़ा, सब एक ही हैं। द्वैत दिखाई देता है, अंदर अद्वैत ही है। एकत्व का बोध विकसित हो, यह मूल है। बाहर एकत्व का विस्तार पर्वत, नदियाँ, शहर, महापुरुष, गीतकार, कलाकार, वैज्ञानिक सब हमारे ही हैं।

कोई इस विराट 'स्व' का अनुभव तब करता है जब यह एकात्म बोध गहरा बैठता है। इस 'स्व' के आधार देश का भाव जगत् खड़ा हो जाए। एकत्व-अद्वैत भारतीय दर्शन की भाषा बने।

– डॉ.कृष्णगोपाल
सह सरकार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

विद्वत् परिषद एवं शोध परिषद की प्रबुद्ध जन संगोष्ठी

भारतीय ज्ञान परंपरा ही उज्जवल भविष्य का आधार: बाबूलाल जी

जयपुर। विद्या भारती भरतपुर की विद्वत् परिषद् एवं शोध परिषद के संयुक्त तत्वावधान में श्रीमती उर्मिलेश एवं श्री यशपाल आर्य बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय आदर्श विद्या मंदिर जवाहर नगर में प्रबुद्ध जन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता प्रांत प्रचारक श्री बाबूलाल ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा मानव के सर्वांगीण विकास का चिंतन है। भारत की शिक्षा मानव मात्र के अन्नमय कोष, प्राणमय कोष, मनोमय कोष, ज्ञानमय कोष एवं आनंदमय कोष की पूर्णता में विश्वास रखती है। इस तरह भारतीय ज्ञान परंपरा संपूर्ण मानव मात्र के कल्याण के साथ मोक्ष की कल्पना करती है। भारतीय परंपरा में विद्या का लक्ष्य **"सा विद्या या विमुक्तये"** है और यही हमारा आदर्श है। इन्हीं परंपराओं का स्मरण करते हुए हम स्वर्णिम भारत के निर्माण के लिए प्रयत्नशील हैं और इसमें निश्चित रूप से सफल होंगे। इस संक्रमण काल में भारत के प्रत्येक नागरिक को स्वत्व जागरण के साथ प्रयत्नशील रहना है। गुलामी की मानसिकता से मुक्त रहते हुए आत्म गौरव के साथ खड़े होना है।

मुख्य अतिथि श्री महंत बालक दास ने कहा कि हम पर जो तीन ऋण हैं उन पर विचार करना चाहिए। अध्यक्षता करते हुए प्रांत संघचालक श्री महेंद्र सिंह मग्गो ने कहा कि समाज के प्रत्येक नागरिक को कुटुंब प्रबोधन,

पर्यावरण संरक्षण, धर्म जागरण एवं सामाजिक समरसता के लिए प्रयत्नशील रहना चाहिए। जागरूक नागरिक बनना देश की सबसे बड़ी सेवा है। विद्या भारती के प्रांत सह मंत्री श्री विजय सिंह फौजदार, विद्वत परिषद् के जिला संयोजक श्री अमित रैकवार, शोध परिषद के जिला संयोजक डॉ.योगेंद्र भानु, भरतपुर के जिला अध्यक्ष प्रोफेसर श्री बृजेश कुमार गुप्ता, विद्या भारती भरतपुर के जिला व्यवस्थापक श्री मोहन अग्रवाल, भरतपुर विभाग संघचालक श्री भागीरथ, जिला संघचालक श्री सतीश भारद्वाज, धर्म जागरण के क्षेत्र प्रमुख श्री अमर सिंह, विद्यालय के व्यवस्थापक डॉ.सुनील गुप्ता, आदि उपस्थित रहे। संचालन विद्या भारती संस्थान के जिला सचिव श्री संतोष कटारा ने किया।

विभिन्न स्थानों से लगभग 105 कार्यकर्ताओं की उपस्थिती रही।

विद्या भारती विज्ञान केंद्र का उद्घाटन

विश्व कल्याण के लिए हो शिक्षा का उपयोग: डॉ. .मोहन भागवत जी

हैदराबाद। विद्या भारती विज्ञान केंद्र स्कूल, नादेरगुल, हैदराबाद, तेलंगाना का उद्घाटन 28 अप्रैल को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक माननीय डॉ.मोहन भागवत जी और श्रीश्री त्रिदंडी चिन्नजीयर स्वामी ने किया। श्रीश्री त्रिदंडी रामानुज चिन्नजीयर स्वामीजी ने कहा कि शिक्षा का सही तरीके से उपयोग किया जाए तो बहुत जल्द भारत अद्वितीय बन सकता है। भारतीयों को सभी को आमंत्रित करना चाहिए और हमें हर जगह जाना है, लेकिन अपनी जड़ों और तरीकों को नहीं भूलना चाहिए। सनातन धर्म को नहीं छोड़ना चाहिए। श्रीराम ने कहा था कि धर्म के पक्ष में खड़ा होना ही सर्वोच्च धर्म है।

सरसंघचालक डॉ.मोहन भागवत जी ने कहा कि इस अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय का उद्घाटन करना संघ सेवा का एक हिस्सा है। हम यह सोचकर शिक्षा प्रदान करते हैं कि सभी लोग एक जैसे हैं, भले ही वे अलग-अलग हों। शिक्षा केवल विषयों के बारे में नहीं है, बल्कि आत्म-ज्ञान के बारे में भी है। संसार एक रहस्य है और उस रहस्य को जानना ही शिक्षा है। शिक्षा का उपयोग विश्व कल्याण के लिए होना चाहिए। आत्मा शुद्ध होगी तो शिक्षा का विकास होगा। इंटरनेशनल विद्यालय शुरू करने के बाद भी हम शिक्षा के माध्यम से बच्चों में देशभक्ति की भावना उत्पन्न कर रहे हैं। हमारा भोजन, भजन, हमारी परंपराएँ विदेशों में भी झलकती हैं। छुट्टियों के नाम पर विदेश जाने की बजाय अयोध्या जैसी तीर्थ यात्रा पर जाएं। यही संस्कार हमें अपने बच्चों को देने चाहिए। तभी यह विश्व कल्याण के लिये उपयोगी होगा। मोहन भागवत जी ने कहा कि यह असत्य है कि संघ आरक्षण का समर्थन नहीं करता। जब तक लोगों को आरक्षण की जरूरत है तब तक आरक्षण रखेंगे और संगठन अपना काम करेगा।

इस अवसर पर आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख श्री सुनील आम्बेकर, क्षेत्र प्रचारक श्री सुधीर, सह क्षेत्र प्रचारक श्री भरत, विद्या भारती क्षेत्र अध्यक्ष श्री उमा महेश्वर राव, क्षेत्र कोषाधिकारी श्री पसारथी मल्लय्या, प्रांत कार्यदर्शी श्री मुक्कल सीतारामुलु और संगठन मंत्री श्री पटाकामुरी श्रीनिवास राव आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

विज्ञान केंद्र के लिए दान में मिली 14 एकड़ भूमि

विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष श्री तेलुकुंटा रमेश ने भवन निर्माण में योगदान देने वालों को सम्मानित किया। विज्ञान केंद्र के सचिव श्री विष्णुवर्धन राजू ने बताया कि भीमिडी यशोदम्मा और पेंटारेड्डी ने विद्यालय के लिए 14 एकड़ जमीन दान की थी। इसमें से एक एकड़ बेघर महिलाओं के लिए आवंटित किया गया है, जिसे **"वैदेही आश्रम"** नाम दिया गया है। अरबिंदो फार्मा ने सर्वसुविधायुक्त किचन बनाने के लिए एक करोड़ बीस लाख रुपये का दान दिया है। 60 हजार वर्गफुट भूमि शिशुवाटिका को आवंटित की गई है।

विद्यारण्य इंटरनेशनल विद्यालय की आधारशिला रखी

सरसंघचालक माननीय मोहन भागवत जी ने श्री विद्यारण्य इंटरनेशनल स्कूल, बंदलागुडा जागीर की आधारशिला भी रखी। यह दूसरा अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय है। विद्या भारती के क्षेत्र संगठन मंत्री श्री लिंगम सुधाकर रेड्डी गारू द्वारा लिखित **"इव्वाडामलोन आनंदम"** पुस्तक का विमोचन भी किया गया। उन्होंने बताया कि यह पुस्तक न केवल उनके अनुभवों बल्कि दूसरों के परामर्श भी लिखी गई है।

नव वर्ष पर विद्या भारती के विद्यालयों में हुए कार्यक्रम : कुछ झलकियां

सृष्टि सृजन का शुभदिवस, करे धरा श्रृंगार, भरे हर्ष नव ऊर्जा, शक्ति का संचार।
शक्ति का संचार नए तरु लगे सुहाने, मधुर पुष्प मुस्काय, गा रहे पक्षी गाने।
चली सुगंधित पवन, प्रभु की पावन दृष्टि, करें लोक कल्याण, पुनः शुभ सुंदर सृष्टि।
🚩🪔चैत्र शुक्ल प्रतिपदा व भारतीय हिंदू नववर्ष 🪔🚩🚩(विक्रम संवत 2081 का प्रारंभ)🚩

पूर्व छात्र टोली बैठक दौसा

अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस

आगरा। दिनांक 29 अप्रैल 2024 को अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस के अवसर पर गणेश राम नागर सरस्वती बालिका विद्या मंदिर के तत्वाधान में लगभग 500 छात्राओं द्वारा शास्त्रीय नृत्य कत्थक का प्रदर्शन किया गया।

शैक्षिक प्रयोग

संगीत विषय में किए गए नवीन प्रयोग

विद्या भारती से संबद्ध दिल्ली प्रांत के सरस्वती बाल मंदिर, राजौरी गार्डन विद्यालय में संगीत विषय में किए गए नवीन प्रयोग एवं उनका विद्यार्थियों पर प्रभाव

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा संचालित विद्यालयों में पांच आधारभूत विषयों में से एक महत्वपूर्ण विषय संगीत है जो प्रत्येक विद्यालय में प्रत्येक विद्यार्थी के लिए अनिवार्य है। विद्या भारती विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रतिबद्ध है। अतः इस दिशा में संगीत एक अहम भूमिका अदा करता है। विद्या भारती द्वारा कक्षाश: संगीत के गायन व वादन का पाठ्यक्रम बनाया गया है। विद्यालय के वंदना सत्र में अपेक्षित क्रियाकलापों द्वारा विद्यार्थियों में भक्ति, श्रद्धा, प्रेम, सद्भावना राष्ट्रभक्ति इत्यादि की जागृति के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास होता है।

विद्या भारती दिल्ली प्रांत के सरस्वती बाल मंदिर, राजौरी गार्डन विद्यालय में विद्यार्थियों के मध्य संगीत विषय को लेकर कुछ नवीन प्रयोग किए गए, जिनका प्रभाव इस प्रकार रहा —

१) पाठ्यक्रम :–

पाठ्यक्रम दो भागों में विभाजित है। एक भाग वंदना सत्र से संबंधित है तो दूसरा भाग संगीत की शास्त्रीयता एवं प्रयोगात्मकता का पालन करता है। राजौरी गार्डन विद्यालय में एक कक्षा के विद्यार्थियों को संगीत के कालांश में तीन दलों में वितरित किया जाता है, अर्थात् विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार गायन, वादन एवं नृत्य में से किसी एक को चुनकर पूरे वर्ष उस विधा को सीखता है। जिसके लिए विद्यालय में तीन कक्ष और तीन संगीत आचार्यो को नियुक्त किया गया है।

संगीत के पूर्ण पाठ्यक्रम को वर्ष के 12 महीनों में अवकाशों तथा कालांशों को ध्यान में रखते हुए वितरित किया गया है। पुस्तक सा रे गा मा पा धा नि विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है। जिसमें संगीत के शास्त्रीय व प्रयोगात्मक पक्ष की सामान्य जानकारी उपलब्ध है। छात्रों व छात्राओं को इस पाठ्यक्रमानुसार तैयारी करने पर उनमें संगीत को जानने व समझने की क्षमता का विकास हुआ है। लगभग 60 से 70% विद्यार्थी इसका पूरा-पूरा लाभ लेते हैं। प्रतिवर्ष तीन अखिल भारतीय गीतों के साथ-साथ उत्तर क्षेत्र में आने वाले पांच प्रांतों के गीतों को सीखने का अवसर मिलता है। जिससे विद्यार्थियों को अपने आसपास की प्रांतीय भाषाओं का परिचय व उनकी संगीत शैली से परिचित होने का अवसर भी प्राप्त होता है। इन भाषाओं के गीतों को सीखने की इच्छा विद्यार्थियों में अधिक रहती है। वादन हेतु वादन कक्ष में लगभग 60 वाद्य यंत्र हैं, जिसके कारण विद्यार्थियों में वाद्य सीखने का उत्साह देखते ही बनता है। इसी प्रकार नृत्य कक्ष में शिशु वर्ग के लिए 25 घुंघरू वाली लड़ी के, बाल वर्ग के लिए 50 घुंघरू वाली लड़ी के तथा किशोर वर्ग के लिए 100 घुंघरू वाली लड़ी के 20–20 जोड़े सम्मिलित किए गए हैं। इसी के साथ साथ लोक नृत्य हेतु प्रॉप्स सामग्री भी संयोजित की गई है ताकि विद्यार्थियों को पूर्ण लाभ मिल सके। संगीत विभाग द्वारा किए गए इस प्रयोग से विद्यार्थियों को उनकी रुचि अनुसार कला सीखने का अवसर तो मिला ही है साथ ही उनके कौशल, साहस, स्वाभिमान में भी वृद्धि हुई है।

वंदना सत्र में एकात्मता मंत्र, एकात्मता स्तोत्र, प्रातः स्मरण, श्री हनुमान चालीसा पाठ, मानस प्रसंग, अष्टादशश्लोकी गीता, पंचांग, विचार, प्रेरक प्रसंग, राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत इत्यादि द्वारा विद्यार्थियों में भक्ति भारतीय संस्कृति की मूल धारा का विकास व भारत के महान व्यक्तित्वों के जीवन से जुड़ने व सीख लेने की वृत्ति का विकास होता है। उपरोक्त सभी सामग्री हेतु प्रत्येक विद्यार्थी के लिए अर्चन वंदन पुस्तक को अनिवार्यता दी गई है। विद्यार्थियों को सरस्वती वन्दना, एकात्मता मंत्र, एकात्मता स्तोत्र इत्यादि का शुद्ध उच्चारण कराने हेतु उन्हें संस्कृत के बड़े बड़े शब्दों को छोटे छोटे भागों में विभाजित कर उनकी कॉपी में लिखाया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप विद्यार्थी सही उच्चारण कर पाने में सक्षम होते हैं।

२) विद्यालयों में वाद्य यंत्रों को बढ़ावा देना:–

यह पिछले कुछ वर्षों में किया गया एक नवीन प्रयोग है। जहां पहले केवल हारमोनियम, तबला, ढोलक, कांगो जैसे वाद्य यंत्रों को ही शामिल किया जाता था वहीं आज विद्यालय में कई आधुनिक एवं पाश्चात्य वाद्य यंत्रों को भी शामिल किया गया है जैसे :–

क) तंत्र वाद्य :– वायलिन, गिटार, इत्यादि।

ख) सुषिर वाद्य :– बांसुरी, मैलोडीका, माउथ ऑर्गन इत्यादि।

ग) घन वाद्य :– घुंघरू, स्क्रैपर, हैप्पी ड्रम, ड्रम, चाइम्स, जाइलोफोन, चाइना ब्लॉक, कैजोन, शेकर, मराकस, टैम्बोरिन इत्यादि।

जारी ...

ग) घन वाद्य :– घुंघरू, स्क्रैपर, हैप्पी ड्रम, ड्रम, चाइम्स, जाइलोफोन, चाइना ब्लॉक, कैजोन, शेकर, मराकस, टैम्बोरिन इत्यादि।
घ) अवनद्ध वाद्य :– ढोल, ताशा, जैम्बे, डफ, इत्यादि।
ङ) इलेक्ट्रॉनिक वाद्य :– सिंथेसाइजर, तानपुरा इत्यादि।
उपरोक्त वाद्यों को सम्मिलित करने से विद्यार्थियों की रुचि संगीत के प्रति बढ़ी है। इससे उन्हें भारतीय वाद्यों के साथ-साथ पाश्चात्य वाद्यों को जानने व बजाने तथा उनकी प्रकृति, बनावट, प्रयोग इत्यादि की जानकारी भी प्राप्त हुई है। गिटार एक पाश्चात्य वाद्य है, जिस पर हमारे विद्यार्थियों ने सितार की भांति राग वादन कर डी.ओ.ई. की प्रतियोगिता में भूरी भूरी प्रशंसा प्राप्त की। अर्थात पाश्चात्य वाद्य पर भारतीय संगीत को उतारना एक नवीन प्रयोग था।

३) प्रतियोगिताएं :–

प्रांतीय व विभागियों प्रतियोगिताओं में सहभागिता गत 7 वर्षों से प्रतियोगिता को विभागश: आयोजित किया गया। जिससे चार विभागों में 12 सामूहिक व 12 एकल पुरस्कार वितरित किए गए। नृत्य की प्रतियोगिताओं को छोड़कर बाकी सभी पश्चिमी विभागीय एवं प्रांतीय प्रतियोगिताएं विद्यालय के केशव सभागार में आयोजित की गई, क्योंकि इस विद्यालय में सभी वाद्य यन्त्र और साउंड सिस्टम की व्यवस्था उत्तम की गई है। यह भी एक नवीन प्रयोग है जिसका विद्यार्थियों को पूर्ण लाभ प्राप्त होता है। कार्यक्रमों की प्रस्तुती उत्तम होती है। उपरोक्त प्रतियोगिताओं का लाभ यह मिला कि, इनमें भाग लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या में काफी वृद्धि हुई और विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस प्रयोग से आचार्य एवं विद्यार्थियों दोनों के विकास में वृद्धि हुई।
४) वाद्य यंत्रों की संख्या वृद्धि से वंदना सत्र में भी वाद्यों की संख्या बढ़ने से वंदना का स्तर और अधिक सुंदर व सुदृढ़ हुआ है।
५) विद्यार्थियों को नई तकनीकी से जोड़ने का प्रयत्न किया गया है। जैसे कुछ ऐसे वाद्य हैं जिन्हें ऐप द्वारा बजाया जा सकता है जैसे हारमोनियम ऐप, गिटार ऐप, तानपुरा ऐप, लहरा स्टूडियो ऐप, ताल ऐप इत्यादि। ऐसे वाद्यों से विद्यार्थियों को जोड़ने का प्रयत्न किया गया साथ ही यूट्यूब चैनल के माध्यम से आचार्यों द्वारा बनाई गई संगीत शिक्षा पर आधारित वीडियो व अन्य चैनलों से उचित वीडियो को साझा करते हुए गायन, वादन व नृत्य सीखने का अवसर प्रदान करना भी नवीन प्रयोग है, जिसका अनेक विद्यार्थी लाभ लेते हैं।
७) आचार्यों द्वारा सत्र 2023 के प्रारंभ में एक एल्बम “प्रार्थना के स्वर" का वीडियो रिकॉर्डिंग यूट्यूब के माध्यम से समाज के सम्मुख प्रेषित किया गया। जिसमें अलग-अलग विषयों के आचार्यों ने भाग लिया।
८) भारतीय वाद्यों के विषय में छात्रों को जानकारी देने हेतु एवं उनकी वादन शैली से परिचय कराने हेतु वंदना-सत्र में समय-समय पर विशेष आमंत्रित कला- कारों द्वारा 30 मिनट का कार्यक्रम रखा जाता है जिससे छात्रों में उन वाद्यों को सीखने की प्रवृत्ति का विकास हुआ।
९) विद्यालय में आज़ादी के अमृत महोत्सव पर अयोजित सात दिवसीय उत्सव "उड़ान" दिल्ली में विद्या भारती द्वारा संचालित विद्यालयों के साथ–साथ अन्य सरकारी व गैर सरकारी संगठनों द्वारा संचालित विद्यालयों के साथ–साथ अन्य सरकारी व गैर सरकारी संगठनों द्वारा संचालित विद्यालयों में चर्चित रहा। जिसमें प्रति दिवस राष्ट्रभक्ति गीतों के सामूहिक गान के साथ अलग अलग गायन शैलियों की अपने विद्यार्थियों ने प्रस्तुती दी और बाहर से आए हुए विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। कार्यक्रम में शास्त्रीय संगीत, उपशास्त्रीय संगीत, लोक गीत, वाद्य यन्त्र, शास्त्रीय एवं लोक नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसका आगाज़ कार्यक्रम स्वागतम् से किया गया तथा उत्सव का समापन सातवें दिन एक नृत्य नाटिका "भारतीयम्" से किया गया। जिसका मुख्य आकर्षण आजादी के लिए उठाई गई प्रथम आवाज़ से लेकर वर्तमान तक की यात्रा की झलक दिखाना था। जिसमें आचार्यों सहित लगभग 800 विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। इस प्रयोग से कई विद्यार्थियों ने संगीत के क्षेत्र में नवीन सोच एवं तकनीकी के साथ नवीन कदम उठाए।
१०) प्रधानाचार्या श्रीमती बेला मिश्रा की प्रेरणा, विद्यालय की व्यवस्थापिका श्रीमती रचना ढांढा के सहयोग तथा आचार्यों के प्रयासों के फलस्वरूप दशहरे के अवसर पर भगवान राम पर आधारित लगभग 45 मिनट की एक संगीतमयी नृत्य नाटिका का प्रस्तुतिकरण किया गया। जिसे दिल्ली में खूब सराहा गया। इस कार्यक्रम के प्रभाव से अगले वर्ष विद्यार्थियों के द्वारा संपूर्ण रामलीला का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 900 विद्यार्थियों ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। विद्यालय इस प्रकार के प्रयोग समय समय पर करता रहता है।
११) इस प्रकार के नवीन प्रयोग करते रहने से तथा कार्यक्रमों में समाज के प्रबुद्ध व्यक्तिओं को आमंत्रित करने का एक लाभ यह भी मिलता है कि हमारे विद्यार्थियों को अन्य संगठनों के कार्यक्रमों में आमंत्रित कर प्रस्तुतियां कराई जाती हैं। जिससे विद्यार्थियों के उत्साह, मेहनत, लगन और संगीत की रुचि का कोई पारावार नहीं रहता।
विद्यालय से शिक्षित अनेक विद्यार्थी आज संगीत विषय को आधार मानकर अपना जीविकोपार्जन कर रहे हैं व समाज में संगीत के माध्यम से सुसंस्कार पोषित कर अपना व अपने माता-पिता, आचार्य तथा विद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। अतः भविष्य में भी इसी प्रकार के अन्य नवीन प्रयोग करते हुए विद्या भारती के लक्ष्य को पोषित करने वाले आचार्य अपने विद्यार्थियों का संगीत विषय में उत्तरोत्तर विकास करने में अपनी अहम भूमिका अदा करते रहेंगे।

-डॉ. अवनीश त्यागी (पी.एच.डी. & नेट – संगीत)
(संगीताचार्य) स.बा. मं., राजौरी गार्डन, नई दिल्ली

मध्य भारत प्रान्त की वार्षिक योजना बैठक

विषय के साथ अन्य पुस्तकें पढ़ने के लिए भी करें प्रेरितः श्रीराम आरावकर

शिवपुरी। मध्य भारत प्रान्त की तीन दिवसीय वार्षिक योजना बैठक का आयोजन सरस्वती शिशु मंदिर केदारधाम, शिवपुरी में किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री श्रीराम आरावकर ने कहा कि बालकों को विषय के साथ अन्य पुस्तकों को भी पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। अध्यक्ष नगरीय शिक्षा- श्री मोहनलाल गुप्ता ने कहा कि बालक की शिक्षा के साथ अभिभावक की शिक्षा को भी लेकर चलना होगा।

श्री निखलेश माहेश्वरी ने योजना बैठक की समीक्षा की और आगामी योजना की जानकारी दी। अच्छी प्रर्दशनी के लिए नदी द्वार विद्यालय, ग्वालियर विभाग को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। सम्मानित कार्यकर्ता श्री विजय सिंह भदौरिया, श्री उमेश पश्तरिया, श्री राकेश समाधिया एवं श्री अभिलाष सिंह चौहान रहे। कई विद्यालयों की वार्षिक पत्रिकाओं का विमोचन भी किया गया। संचालन श्री राम कुमार भावसार प्रांत प्रमुख, नगरीय शिक्षा ने किया। श्री चन्द्र हंस पाठक ग्राम भारती प्रांत प्रमुख ने आभार व्यक्त किया।

विधिक साक्षरता / जागरूकता शिविर

कोंच(जालौन)। सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मंडी में विधिक साक्षरता/जागरूकता/ विधिक सेवायें, शासन की योजनाओं का क्रियान्वन शिविर लगाया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उरई के निर्देशानुसार कोंच स्वास्थ्य पर्यवेक्षक CHC सुरजीत सिंह, स्नेश राजा (P.L.B). जगपाल सिंह (P.L.B), सीता तिवारी टीम के साथ मौजूद रहीं। शिविर का शुभारंभ प्रधानाचार्या आभा तिवारी ने किया। शिविर में 112, 1090 पर विस्तार से चर्चा की गई। संचालन जगपाल सिंह ने किया। कार्यक्रम में पंकज बाजपेई, विवेक तिवारी, शैलेन्द्र यादव, नीतू गर्ग, सरोज खरे, सरला मिश्रा, प्रभा गुप्ता, शिवानी सिंह, आकांक्षा सिंह, राधा दुबे, रंजना तिवारी, सतीश पाण्डेय, विनीत खरे, मृदुल दुबे, सुलभ अग्रवाल, पूजा राठौर, मनीष, ज्योति गुप्ता, रौली मिश्रा, शुर्ति गुप्ता, वंदना, रवि कुमार आदि उपस्थित रहे।

फाउंडेशन स्टेज आचार्य शिक्षा वर्ग

फाउंडेशन स्टेज आचार्य शिक्षा वर्ग का आयोजन गांधीधाम में किया गया। इसमें 107 प्रशिक्षु, 10 प्रबंधक और स्थानीय प्रबंधक शामिल रहे।

प्रचार प्रमुख एवं अभिलेखागार प्रमुख बैठक

गुवाहाटी। विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के कार्यालय प्रमुख, प्रचार प्रमुख एवं अभिलेखागार प्रमुखों की बैठक असम प्रकाशन भारती गुवाहाटी में आयोजित की गई। विद्या भारती के अखिल भारतीय महामंत्री श्री अवनीश भटनागर का उद्बोधन कार्यकर्ताओं को प्राप्त हुआ। क्षेत्रीय मंत्री डॉ. जगदीन्द्र राय चौधुरी ने प्रस्तावना रखी। असम राजीव गांधी सहकारी प्रबंधन विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. देवव्रत दास ने प्रबंधन नीति के विषय में जानकारी दी।

गीता विद्या मंदिर निगदू के नए भवन का लोकार्पण

हरियाणा। विद्या भारती हरियाणा द्वारा संचालित निगदू क्षेत्र के विद्यालय गीता विद्या मंदिर के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण परम पूज्या आनंदमूर्ति गुरु मां ऋषि चैतन्य आश्रम गन्नौर (सोनीपत) ने किया। गुरुमाँ ने कहा कि भारतीय अमूल्य मानव पूंजी विदेश की ओर पलायन कर रही है लेकिन बाहर सुविधाओं की प्राप्ति हो सकती है परंतु सुख की प्राप्ति नहीं हो सकती। लेकिन बाहर सुविधाओं की प्राप्ति हो सकती है परंतु सुख की प्राप्ति नहीं हो सकती। राष्ट्र के प्रति आदर और सम्मान की भावना हम सभी भारतीयों के मन में होनी चाहिए। श्री विजय नड्डा संगठन मंत्री विद्या भारती उत्तर क्षेत्र ने कहा कि विद्या भारती सभी क्षेत्रों में भी शिक्षा के माध्यम से भारतीय संस्कारों का संचार कर रही है। अध्यक्षता श्री जितेन्द्र पूर्व छात्र एवं सरपंच निगदू ने की।

शैक्षिक उपग्रडेशन के विषय पर संवाद

विद्या भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री गोबिन्द चंद्र महंत का हरिद्वार जिले के प्रधानाचार्यो के साथ शैक्षिक उपग्रडेशन के विषय पर संवाद हुआ।

एटीएल सामुदायिक दिवस समारोह

13 अप्रैल 2024 एटीएल सामुदायिक दिवस समारोह का आयोजन विद्या भारती के विद्यालयों में किया गया। ऑनलाइन माध्यम से अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोबिंद चंद्र महंत का मार्गदर्शन सभी को प्राप्त हुआ।

प्रधानाचार्य कार्ययोजना बैठक

संस्था के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए कार्ययोजना आवश्यकः हेमचंद्र जी

बस्ती । सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रामबाग-बस्ती में शिशु शिक्षा समिति गोरक्ष प्रांत की ओर से तीन दिवसीय प्रधानाचार्य कार्ययोजना बैठक का आयोजन किया गया। इसमें गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, बलिया, आजमगढ़ सहित 10 जिलों के प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि विद्या भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री हेमचंद्र ने कहा कि कार्य सिद्धि के लिए हमें बार-बार उसका स्मरण करना होगा। संस्था के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए कार्ययोजना बनानी चाहिए। इस अवसर पर विद्या भारती गोरक्ष प्रांत के मंत्री श्री रामनाथ गुप्त, सरस्वती विद्या मन्दिर रामबाग बस्ती के प्रबंधक डॉ.सुरेन्द्र प्रताप सिंह, क्षेत्रीय प्रशिक्षण प्रमुख दिनेश, क्षेत्रीय सेवा शिक्षा संयोजक श्री योगेश, क्षेत्रीय संस्कृति बोध परियोजना प्रमुख श्री राजकुमार, क्षेत्रीय खेलकूद एवं शारीरिक प्रमुख श्री जगदीश, क्षेत्रीय सीमा सेवा शिक्षण प्रमुख श्री राघव कुमार, प्रांतीय सेवा शिक्षण प्रमुख श्री अर्जुन प्रसाद, गोरक्ष प्रांत के प्रदेश निरीक्षक श्री राम सिंह, संभाग निरीक्षक श्री बलिया कन्हैया चौबे और प्रधानाचार्य श्री गोविन्द सिंह आदि उपस्थित रहे। संचालन प्रान्त परीक्षा प्रमुख श्री दिवाकर ने किया। विद्यालय के प्रबंधक डॉ. सुरेन्द्र प्रताप सिंह ने आभार व्यक्त किया।

बहुउद्देश्यीय सभागार का लोकार्पण

अच्छी कल्पनायें हमेशा साकार रूप प्राप्त करती हैं-शिवराम जी

गेल इंडिया के सहयोग से निर्मित कौशल विकास एवं प्रशिक्षण केंद्र में बहुउद्देश्यीय सभागार का लोकार्पण किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक श्री शिवराम समदड़िया ने कहा कि कार्यकर्ताओं ने विद्या भारती परिसर में इसी प्रकार के एक वृहद सभागार की कल्पना की थी। विद्या भारती परिवार के सभी घटक एक साथ किसी आयोजन में सहभागिता कर सकें, ऐसा स्थान होना चाहिए। हमारा अटल विश्वास है कि अच्छे मन से की गई कल्पनायें साकार रूप लेती ही हैं।

कार्यक्रम में क्षेत्र संगठन मंत्री श्री भालचंद रावले, सह संगठन मंत्री डॉ. आनंद राव, प्रांत संगठन मंत्री श्री अमित दवे, लोक सेवा आयोग के सदस्य डॉ. नरेंद्र कोष्टी, डॉ. सुधीर अग्रवाल, श्री ईश्वरदास पटेल, श्री बासंतक मणि शर्मा, डा. आदित्य मिश्र, श्री राघवेंद्र शुक्ल आदि उपस्थित थे।

पूर्व छात्र सम्मेलन

बाघमारा। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बाघमारा में 31 मार्च 2024 को पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें सत्र 1996 से 2000 तक के छात्र-छात्राएं व पूर्व आचार्य शामिल हुए। प्राचार्य श्री संतोष कुमार ने अतिथियों का परिचय कराया।

धनबाद विभाग के विभाग प्रमुख विवेक नयन पांडेय ने कहा कि हम सभी का प्रयास होना चाहिए कि कैसे विद्या भारती के संस्कारों को आने वाली पीढ़ी से जोड़ें और अपने देश को विश्व का सिरमौर बनाएं।

विद्या भारती पूर्व छात्र प्रमुख अरुण कुमार मिश्र ने कहा कि शिक्षक और छात्र का संबंध अटूट है। पूर्व प्राचार्य और आचार्यों ने भी अपनी यादों को ताजा किया। प्रदेश सचिव अजय कुमार तिवारी, विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष माधव सिंह, सचिव विनय कुमार पांडेय, जिला संघ चालक विशु रवानी, सत्यजीत सोनू, विद्या भारती और सीबीएसई की रिसोर्स पर्सन व पूर्व छात्रा डॉ. पूजा, पूर्व छात्र अमित, शैलेश आदि उपस्थित रहे।

प्रांतीय प्रतिनिधि सभा (ट्रस्टी-प्रशासनिक सम्मेलन)

विद्या भारती गुजरात प्रांत की 14 अप्रैल 2024 को प्रांतीय प्रतिनिधि सभा (ट्रस्टी-प्रशासनिक सम्मेलन का आयोजन पिराना में किया गया।

इस अवसर पर 264 ट्रस्टी-प्रबंधक उपस्थित रहे।

उपनयन संस्कार : नीलाचल वेद विद्यापीठ, गुवाहाटी

गुवाहाटी। आनंद निकेतन ट्रस्ट की ओर से चैत्र माह की राम नवमी के पावन अवसर पर कालीपुर गुवाहाटी में स्थापित नीलाचल वेद विद्यापीठ के प्रथम सत्र के बटुक छात्रों का उपनयन संस्कार समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर आनंद निकेतन आश्रम परिसर स्थित मंदिर में गृह शांति यज्ञ, गुरु पूजनन्, यज्ञोपवीत, मंत्र दीक्षा, दंड धारण और भिक्षाटन संपन्न हुआ।

समारोह में गुवाहाटी विश्वविद्यालय के संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ.सुदेशना भट्टाचार्या, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ.पवन तिवारी, क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य योगेन्द्र सिंह सिसोदिया, आनन्द निकेतन ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी सदा दत्त एवं प्रमुख मनीज कलिता आदि उपस्थित हुए। नीलाचल वेद विद्यापीठ का शुभारम्भ भव्य मंदिर में श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर किया गया था।

विद्यार्थियों ने किया शैक्षिक भ्रमण

विषयों के क्रियान्वयन के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति आधारित योजना बनाएं

अनूपपुर। सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के बच्चों ने इंदिरा गांधी जनजाति विश्वविद्यालय का शैक्षिक भ्रमण किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने पुस्तकालय, विभिन्न विभागों, स्पोर्ट्स क्लब, साइंस डिपार्टमेंट, औषधीय नर्सरी, प्रशासनिक भवन, म्यूजियम आदि का अवलोकन किया। विश्वविद्यालय की ओर से 11वें विश्व योग दिवस के उपलक्ष्य में अनूपपुर सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 7 दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया था जिसमें 80 बच्चों ने भाग लिया था।

विश्वविद्यालय की ओर से इन सभी 80 प्रतिभागियों को आईजीएनटीयू के कुलपति श्री प्रकाश मणि त्रिपाठी ने प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। भ्रमण कार्यक्रम के अगले क्रम में अमरकंटक में नर्मदा मंदिर में पूजा-अर्चना की और आवासीय सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का भ्रमण किया। अमरकंटक में वन विभाग की औषधीय नर्सरी और माई की बगिया में गुलवकावली का महत्व जाना। भ्रमण कार्यक्रम में 60 बच्चों के साथ विद्यालय के व्यवस्थापक श्री आदर्श दुबे, प्राचार्य श्री सतीश सिंह, योग प्रशिक्षक हर्षिता दुबे, आचार्य संतोष शुक्ला आदि मौजूद रहे।

"पुण्यभूमि भारत" विषय पर कार्यशाला

भारतीय संस्कृति के अनुरूप हो शिक्षणः अर्चनाताई

नागपुर। शिक्षक प्रशिक्षण की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एवं भारत को 'भारत' के रूप में परिचित कराने के लिए विद्या भारती की ओर से उत्कर्ष विद्या मंदिर में "पुण्यभूमि भारत" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में डीडी नगर विद्यालय की पूर्व प्रधानाचार्या श्रीमती अर्चनाताई जैनाबाद कर ने कहा कि शिक्षण भारतीय संस्कृति के अनुरूप होना चाहिए। अकोला विभाग संघचालक श्री नरेन्द्र देशपांडे ने महापुरुषों, संतों, क्रांतिकारियों, समाज सुधारकों, तीर्थों, विज्ञान के उन्नत स्थलों आदि की जानकारी दी। अध्यक्षता महानगर उपाध्यक्ष डॉ.संजय घटाटे ने की। प्रस्तावना प्रांत संगठन मंत्री शैलेश जोशी ने रखी और संचालन रणदीप बिसने ने किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रांतीय सह मंत्री रोशन अगरकर ने किया। कार्यक्रम में महानगर मंत्री संदीप पंचभाई, महानगर सह मंत्री अंकेश शाहू और लगभग 150 आचार्य उपस्थित रहे।

31 मार्च, 2024 को पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले का मैनागुरी धर्मपुर और वार्निश क्षेत्र में चक्रवात से तबाह हुए गांवों में मैनागुरी सारदा शिशु तीर्थ के आचार्य परिवार द्वारा सेवा कार्य।

गांधीधाम में दक्षिण मध्य क्षेत्र शिशु वाटिका वर्ग संपन्न

विषय प्रमुख बैठक

विषयों के क्रियान्वयन के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति आधारित योजना बनाएं

झारखंड। सरस्वती विद्या मंदिर श्री बंशीधर नगर में विद्या भारती की एकदिवसीय विषय प्रमुख बैठक का उद्घाटन अखिल भारतीय मंत्री ब्रह्माराव, विद्या विकास समिति के उपाध्यक्ष सतीश्वर प्रसाद सिन्हा, प्रदेश सचिव अजय कुमार तिवारी और विद्यालय के अध्यक्ष जोखु प्रसाद ने संयुक्त रूप से किया। विद्या भारती के अखिल भारतीय मंत्री ब्रह्माराव ने कहा कि पांच केंद्रीय विषयों व चार आयामों सहित कुल 30 विषयों के क्रियान्वयन के सूत्रधार विषय प्रमुख एवं सह प्रमुख हैं। हमारा काम केवल एक विद्यालय में अपने विषयों का क्रियान्वन करना ही नहीं बल्कि अपने समविचारी संगठनों में भी शिक्षा कैसी हो, उसका मार्गदर्शन भी करना है। विद्या विकास समिति झारखंड के प्रदेश सचिव अजय कुमार तिवारी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति को ध्यान में रखकर हम सभी को अपने विषयों का क्रियान्वन करना है। इसके लिए प्रशिक्षण आदि की व्यवस्था विषय प्रमुखों के निर्देशन में संपन्न हो, ऐसी अपेक्षा है। विषय प्रमुख अपने-अपने विषयों का क्रियान्वयन करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति आधारित योजना बनायें। हमारी शिक्षा समाज एवं राष्ट्र केंद्रित होनी चाहिए। विद्या भारती के उपाध्यक्ष सतीश्वर प्रसाद सिंह ने कहा कि युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति को ध्यान में रखकर उच्च शिक्षा ग्रहण करे जिससे वह समाज और राष्ट्र के लिए हितकारी हो। कार्यक्रम में पूर्णकालिक कार्यकर्ता अखिलेश कुमार, राजेश प्रसाद, ओमकार प्रकाश, सुरेश मंडल, विवेक नयन पांडे, तुलसी प्रसाद ठाकुर, रमेश कुमार और ब्रजेश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

नवदम्पत्ति सम्मेलन

माता पिता बनना एक आध्यात्मिक जिम्मेदारी है- (दिव्यांशू भाई जी दवे, पूर्व कुलपति चिल्ड्रन युनिवर्सिटी गांधीनगर गुजरात)

सतना | सरस्वती शिशु मंदिर नागौद के नानाजी देशमुख सभागार में 22.02.2024 को नवदम्पत्ति सम्मेलन का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ।
मुख्य अतिथि मा. श्री दिव्यांशू भाई दवे (पूर्व कुलपति चिल्ड्रन युनिवर्सिटी गांधीनगर गुजरात), कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय श्री राजकुमार आचार्य (कुलपति अवधेश प्रताप सिंह युनिवर्सिटी रीवा) तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. अनुपम ताम्रकार (सहा. प्राध्यापक दिल्ली आयुर्वेद चिकित्सा), माननीय श्री प्रभात सिंह (सह क्षेत्रीय शिशु वाटिका प्रभारी), डॉ.राजन सरन श्रीवास्तव(अध्यक्ष नागौद बाल कल्याण समिति), श्रीमती अंजना टंडन (उपाध्यक्ष नागौद बाल कल्याण समिति) मंचासीन रहे। कार्यक्रम की प्रस्तावना में विद्यालय की उपाध्यक्षा श्रीमती अंजना जी टंडन ने प्रस्तुत करते हुए कहा कि सोलह संस्कारों में सभी संस्कार परम् आवश्यक हैं, श्रेष्ठ दाम्पत्य जीवन भारतीय जीवन दर्शन पर आधारित आध्यात्म एवं विज्ञान के समन्वय से ही संभव है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उदबोधन श्री दिव्यांशू भाई ने अपने उदबोधन में कहा

कि हमें अच्छी संतति प्राप्त करने के लिए बाल स्वरूप भगवान की पूजा आराधना करनी चाहिए, उन्होने कहा कि माता-पिता बनना एक आध्यात्मिक जिम्मेदारी है। उन्होनें कहा गृहस्थ के बिना सन्यासी नहीं बना जा सकता है। हर मानव तीन प्रकार के ऋणों देव ऋण, ऋषि ऋण, पितृ ऋण से ऋणी होता है, इसे किसी ना किसी तरह चुकाना परम आवश्यक होता है, तथा कार्यक्रम में स्वस्थ संतान प्राप्ति हेतु...

जारी ...

शरीर का निरोगी होना परम आवश्यक है तथा कार्यक्रम में स्वस्थ संतान प्राप्ति हेतु शरीर का निरोगी होना परम आवश्यक है इसके लिए गर्भाधान के तीन माह पूर्व व्यायाम, योगाभ्यास, शुद्धि क्रियाएँ, यौगिक आहार विहार, सदवाचन, सदप्रवृत्ति, सत्संग तथा संगीत को सुनना अत्यंत आवश्यक है। उन्होनें कहा कि किन्ही भी परिस्थितियों में माँ को तनाव युक्त नहीं होना चाहिए। अपने अध्यक्षीय उदबोधन में डॉ. राजकुमार जी आचार्य (कुलपति APSU रीवा) जी ने कहा जीवन को सुखमय बनाने के लिए अच्छी संतति प्राप्त करने की आवश्यकता है, उन्होनें ने कहा कि हम ईश्वर को जानते हैं पर मानते नहीं यदि हमें अपने समाज, अपने राष्ट्र को अच्छा बनाना है तो इसके लिए त्याग करना पडेगा।

कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए विद्यालय के व्यवस्थापक श्री चंदन अग्रवाल ने कहा कि इस आयोजन में उपस्थित समस्त नव दम्पत्तियों हेतु यह केन्द्र नीवं का पत्थर साबित होगा इसके लिए मासानुमास चिकित्सकों द्वारा परामर्स दिया जायेगा जिसका लाभ समस्त नवदम्पत्ति विद्यालय से जुडकर ले सकेंगे, यह उनके लिए अत्यंत हितकर कार्य है।

नवदम्पत्ति सम्मेलन के इस आयोजन में नगर के गणमान्य नागरिकों, मातृ शक्ति, प्रांत की शिशु वाटिका की टोली की दीदीयों एवं विद्यालय के प्राचार्य, प्रधानाचार्य एवं समस्त आचार्य परिवार की उपस्थिति सराहनीय रही। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय की ECCE प्रधानाचार्या श्रीमती शालिनी त्रिपाठी ने किया।125 नवदम्पत्तयों ने पंजीयन किया तथा 45 नवदम्पति यानी 90 संख्या की उपस्थिति रही।

आचार्य प्रशिक्षण, तमिलनाडु

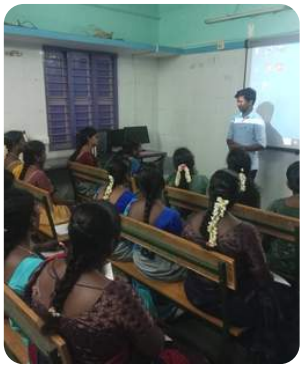

विद्या भारती उत्तर तमिलनाडु द्वारा 10 जिलों मे 7 दिनों का आचार्य प्रशिक्षण वर्ग रखा गया है। उनमे शिशुवाटिका, प्रारम्भिक शिक्षा, Communicative English, (तीनों विषय अनिवार्य) और सङ्गीत, गणित, वैदिक गणित, संस्कृतम् (इनमे से किसी एक विषय) 4 विषय पढाया गया। कुल मिलाकर 99 विद्यालयों से 590 आचार्य-आचार्या भाग लिया। नये आचार्या और 40 नए सम्पर्कित विद्यालयों ने भी उत्साह से भाग लिया । विषय लेने वाले आचार्य लगभग 120 थे। इसमे हर दिन पाठ विषयों के लिए 3 कालांश(3 घंटे, 45 मि.), वन्दना अभ्यास, गीत अभ्यास, एक बौद्धिक कालांश, 30 छोटे खेल शामिल किए गए।

जोधपुर प्रान्त: मार्च-अप्रैल मास में सम्पन्न कुल 14 बैठकों में जिला व विद्यालय प्रबंध समिति के 1255 कार्यकर्त्ता उपस्थित हुए।

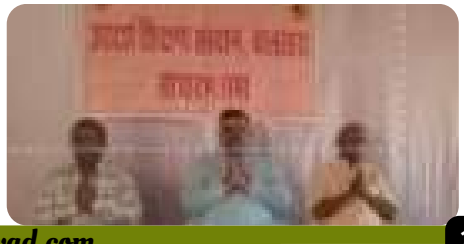

विद्या भारती के गौरव

उपलब्धियां : खेलकूद

काजल फर्स्वाण

विद्याभारती द्वारा संचालित श्रीमती हीरा देवी भट्ट विवेकानंद विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज मुनस्यारी की पूर्व छात्रा काजल फर्स्वाण का 22 वीं एशियन बाक्सिंग चैम्पियनशिप हेतु भारतीय टीम में चयनीत।

164वे इंडियन ओपेन कंपटीशन शॉटगन 2024 (चैंपियनशिप नेशनल राइफल एसोसिएशन द्वारा भटिंडा पंजाब) में भाग लेते हुए टूर्नामेंट में मध्य प्रदेश के प्रियांशु पांडे (आर्मी) ने रजक पदक जीता। प्रियांशु पांडे स.शि.मं. प्रयागराज के पूर्व छात्र हैं।

प्रियांशु पांडे

रौनक वाघेला

विद्या भारती-सरस्वती बाल मंदिर राजौरी गार्डन, दिल्ली का छात्र रौनक वाघेला 26 अप्रैल से 22 मई 2024 तक आयोजित होने वाले एनसीए (बीसीसीआई की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) (NCA's (National Cricket Academy of BCCI)) अंडर-19 लड़कों के शिविर के लिए चयनित।

अयान हसना

संजय आर्य

नितिन आर्य

राम आर्य

यशवीर

पंजाब में बेसबॉल ओपन राष्ट्रीय टूर्नामेंट मे महाशय चुन्नी लाल सरस्वती बाल मंदिर, हरि नगर, दिल्ली के खिलाड़ी :

- अयान हसना और नितिन आर्य (कक्षा XI) ने कांस्य पदक जीता। उनको दिल्ली टीम के लिए चुना गया।
- संजय आर्य U17, राम आर्य को बेसबॉल U14 और यशवीर को बेसबॉल U14 दिल्ली राज्य में दूसरा स्थान मिला।

विद्या भारती के गौरव

विद्या भारती : यूपीएससी परीक्षा परिणाम

UPSC

प्रभाकर सिंह

नाम- प्रभाकर सिंह
विद्यालय - सरस्वती विद्या मन्दिर, महंत शिवाला मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश
यूपीएससी रैंक - 2 वाँ रैंक

प्रजनंदन गिरी

नाम- प्रजनंदन गिरी
विद्यालय - सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बनीतीरथा, करंजिया, ओडिशा
यूपीएससी रैंक - 24वी रैंक

रविंद्र कुमार

नाम- रविंद्र कुमार
विद्यालय - आदर्श विद्या मंदिर मंडार सिरोही
यूपीएससी रैंक - 138वीं रैंक

जतिन कुमार

नाम- जतिन कुमार
विद्यालय - आदर्श विद्या मंदिर माध्यमिक विद्यालय खैरथल अलवर(राजस्थान)
यूपीएससी रैंक -364 वी रैंक

UPSC

नाम- सचिन अग्रवाल
विद्यालय - सरस्वती शिशु मंदिर जगनेर, आगरा
यूपीएससी रैंक - 471वी रैंक

शिवम कुमार

नाम- शिवम कुमार
विद्यालय - सरस्वती शिशु मंदिर , बिथान, समस्तीपुर,बिहार
यूपीएससी रैंक - 19 वीं रैंक

अर्पित यादव

नाम - अर्पित यादव
विद्यालय - बैजनाथ भारद्वाज सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज, चित्रकूट
यूपीएससी रैंक - 136वीं रैंक

विवेक सिंह

नाम - विवेक सिंह
विद्यालय - कजरंग सरस्वती शिशु मन्दिर, बीकापुर, अयोध्या
यूपीएससी रैंक - 269 वीं रैंक

सचिन अग्रवाल

विद्या भारती के गौरव

विद्या भारती : यूपीएससी परीक्षा परिणाम

UPSC

शिवम अग्रवाल

नाम- शिवम अग्रवाल
विद्यालय - सरस्वती विद्या मंदिर, मिलक,रामपुर, मेरठ प्रांत
यूपीएससी रैंक - 541 वीं रैंक

मनुप्रिय त्यागी

नाम- मनुप्रिय त्यागी
विद्यालय - सरस्वती बाल मंदिर,हापुड़ (मेरठ प्रांत)
यूपीएससी रैंक - 572 वीं रैंक

मधुकर आर्य

नाम- मधुकर आर्य
विद्यालय -आनन्द स्वरूप आय सरस्वती विद्या मन्दिर,
रुड़की, उत्तराखंड
यूपीएससी रैंक -801 वीं रैंक

मनी त्यागी

नाम- मनी त्यागी
विद्यालय - भागवन्ती स०वि०म० नई मण्डी, मुजफ्फरनगर
पद - एस.एस.सी (एस डी एम)

UPSC

नाम- पूजा शर्मा
विद्यालय - भागवन्ती स०वि०म० नई मण्डी, मुजफ्फरनगर
पद - एस.एस.सी (सिविल जज)

यशवर्धन सिंह

नाम- यशवर्धन सिंह
विद्यालय- द्रौपदी देवी सरस्वती शिशु मंदिर, बदायूँ, उत्तर प्रदेश
यूपीएससी रैंक - 571 वीं रैंक

बिभांशु कुमार रे

नाम-बिभांशु कुमार रे
विद्यालय - सरस्वती शिशु विद्या मंदिर- शिक्षा विकास
समिति ओडिशा का राउरकेला शहर
यूपीएससी रैंक - 772वीं रैंक

निमिषा तंतुवाय

नाम- निमिषा तंतुवाय
विद्यालय - सरस्वती शिशु मंदिर खुरई, सागर, मध्य प्रदेश)
यूपीएससी रैंक - 878 वीं रैंक

पूजा शर्मा

विद्या भारती के गौरव

विद्या भारती : यूपीएससी परीक्षा परिणाम

नाम- प्रीति यादव
विद्यालय - भरतजी सरस्वती इण्टर कालेज, ऑवला, बरेली
पद - एस.एस.सी. (जेल सुप्रिटेन्डेन्ट)

नाम- रश्मि राजपूत
विद्यालय- श्रीमती दौपदी देवी स० बा० वि० म०, कासगंज
पद - एस.एस.सी (जज)

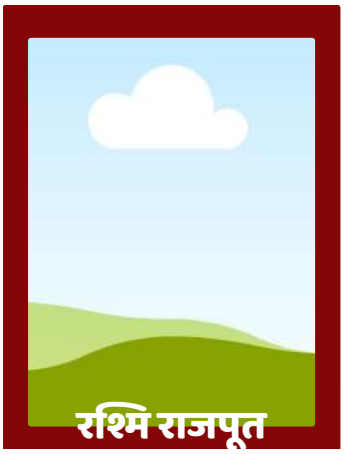

उपलब्धियां : अन्य

नाम- न्यायमूर्ति एन राजेश्वर राव
विद्यालय - श्री सरस्वती शिशु मंदिर, तेलंगाना
पद - तेलंगाना उच्च न्यायालय के पूर्णकालिक न्यायाधीश के रूप में नियुक्त

नाम- देवेश
विद्यालय - आदर्श विद्या मंदिर थानागाजी , अलवर (राजस्थान)
पद - भारतीय पुलिस सेवा

नालंदा के दो भाइयों ने भरी सपनों की उड़ान

कैप्टन प्रणव व कैप्टन प्रखर बने सपनों की उड़ान भरने वाले युवा एयर इंडिया एक्स्प्रेस मे शामिल।
दोनों भईया ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पीटीजेएम सरस्वती विद्या मंदिर, राजगीर से प्राप्त की।

विद्या भारती के गौरव

विद्या भारती की उपलब्धियां - बोर्ड परीक्षा परिणाम 2023-24

विभिन्न राज्यों की प्रावीण्य सूची में कक्षा बारहवीं में प्रथम 10 स्थान प्राप्त छात्र

नाम : झरना सैकिया
राज्य का नाम : पश्चिम बंगाल
विद्यालय: शंकरदेव शिशु निकेतन- बिस्वनाथ चारियाली
परीक्षा परिणाम: असम हाई विद्यालय परिणाम 2024 में दूसरा स्थान
अंक/प्रतिशत/विषय: (590/600) अंक

नाम : संध्या पाटीदार
राज्य का नाम : मध्य प्रदेश
परीक्षा परिणाम: एमपी बोर्ड की बारहवीं की परीक्षा में मेरिट में पांचवां स्थान
विद्यालय: सरस्वती शिशु मंदिर, कालापीपल
अंक/प्रतिशत: कला समूह

नाम : अमन उसमानी
राज्य का नाम : मध्य प्रदेश
परीक्षा परिणाम: एमपी बोर्ड की बारहवीं की परीक्षा में मेरिट में छठा स्थान
विद्यालय: सरस्वती विद्या मंदिर, नरसिंहपुर
अंक/प्रतिशत/विषय : वाणिज्य

नाम : वेदांत पटेरिया
राज्य का नाम : मध्य प्रदेश
परीक्षा परिणाम: एमपी बोर्ड की बारहवीं की परीक्षा में मेरिट में सातवां स्थान
विद्यालय: सरस्वती शिशु मंदिर, मोहगांव
अंक/प्रतिशत/विषय : कला समूह

नाम : पुष्पलता सिंह कुशवाह
राज्य का नाम : मध्य प्रदेश
परीक्षा परिणाम: एमपी बोर्ड की बारहवीं की परीक्षा में मेरिट में सातवां स्थान
विद्यालय: सरस्वती शिशु मंदिर,सोयतकलां आगर
अंक/प्रतिशत/विषय : जीव विज्ञान

नाम : दीपाली चौहान
राज्य का नाम : मध्य प्रदेश
परीक्षा परिणाम: एमपी बोर्ड की बारहवीं की परीक्षा में मेरिट में दसवां स्थान
विद्यालय: सरस्वती शिशु मंदिर,खण्डवा
अंक/प्रतिशत/विषय : वाणिज्य

विद्या भारती के गौरव

विद्या भारती की उपलब्धियां - बोर्ड परीक्षा परिणाम 2023-24

विभिन्न राज्यों की प्रावीण्य सूची में कक्षा दसवीं में प्रथम 10 स्थान प्राप्त छात्र

नाम : अंकिता उरमलिया
राज्य का नाम : मध्य प्रदेश
परीक्षा परिणाम: एमपी बोर्ड की दसवीं की परीक्षा में मेरिट में चौथा स्थान
विद्यालय: सरस्वती शिशु मंदिर, गंगा नगर, गढ़ा
अंक/प्रतिशत: 98.2% (491/500)अंक

नाम : शांभवी सुहाना
राज्य का नाम : झारखंड प्रांत
परीक्षा परिणाम: झारखंड माध्यमिक परीक्षा 2024 बोर्ड की मेरिट में पंचम स्थान
विद्यालय: सरस्वती विद्या मंदिर, लातेहार
अंक/प्रतिशत: 490/500 अंक

नाम : सक्षम वर्मा
राज्य का नाम : झारखंड प्रांत
परीक्षा परिणाम: झारखंड माध्यमिक परीक्षा 2024 बोर्ड की मेरिट में पंचम स्थान
विद्यालय: इंदुमती टिंबरेवाल सरस्वती विद्या मंदिर, चतरा
अंक/प्रतिशत: 490/500 अंक

नाम : नम्रता सेन गुप्ता
राज्य का नाम : झारखंड प्रांत
परीक्षा परिणाम: झारखंड माध्यमिक परीक्षा 2024 बोर्ड की मेरिट में सप्तम स्थान
विद्यालय: सरस्वती विद्या मंदिर, लातेहार
अंक/प्रतिशत: 488/500 अंक

नाम : जयदीप कुमार
राज्य का नाम : झारखंड प्रांत
परीक्षा परिणाम: झारखंड माध्यमिक परीक्षा 2024 बोर्ड की मेरिट में सप्तम स्थान
विद्यालय: सरस्वती विद्या मंदिर, लातेहार
अंक/प्रतिशत: 488/500 अंक

विद्या भारती के गौरव

विद्या भारती की उपलब्धियां - बोर्ड परीक्षा परिणाम 2023-24

विभिन्न राज्यों की प्रावीण्य सूची में कक्षा दसवीं में प्रथम 10 स्थान प्राप्त छात्र

नाम : आरट्रिक साउ
राज्य का नाम : पश्चिम बंगाल
विद्यालय: सरोजिनी देवी सरस्वती शिशु मन्दिर, पाइकपाड़ा, सिउरी
परीक्षा परिणाम: पश्चिम बंगाल राज्य में माध्यमिक (दसवीं) का परीक्षा परिणाम में सातवां स्थान प्राप्त
अंक प्रतिशत: 687/700 (98.17 प्रतिशत)

नाम : अनन्या कुमारी
राज्य का नाम : झारखंड प्रांत
परीक्षा परिणाम: झारखंड माध्यमिक परीक्षा 2024 बोर्ड की मेरिट में नवम स्थान
विद्यालय: सरस्वती विद्या मंदिर, लातेहार
अंक/प्रतिशत: 486/500 अंक

नाम : आस्था सिंह राजपूत
राज्य का नाम : मध्य प्रदेश
परीक्षा परिणाम: एमपी बोर्ड की दसवीं परीक्षा में मेरिट में तीसरा स्थान
विद्यालय: सरस्वती शिशु मंदिर, छतरपुर

नाम : ओमप्रकाश राजपूत
राज्य का नाम : मध्य प्रदेश
परीक्षा परिणाम: एमपी बोर्ड की दसवीं परीक्षा में मेरिट में छठा स्थान
विद्यालय: सरस्वती विद्या मंदिर, सिवनी

टाप टेन में रहे विद्या भारती के विद्यालयों के पांच बच्चे

- सरस्वती विद्या मंदिर स्कूलों के 4583 बच्चों ने दी परीक्षा
- 4277 बच्चे प्रथम, 318 द्वितीय और 12 तृतीय श्रेणी से उत्तीर्ण

विद्या भारती के गौरव

विद्या भारती की उपलब्धियां - परीक्षा परिणाम 2023-24

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से सम्बद्ध
भारतीय शिक्षा समिति उत्तराखण्ड
उत्तराखण्ड बोर्ड परीक्षा परिणाम 2024

हाईस्कूल

प्रदेश की मैरिट में कुल विद्यार्थी	-	217
विवेकानन्द / सरस्वती विद्या मन्दिर के विद्यार्थी	-	77
कुल टॉप टेन विद्यार्थी	-	21
विद्या भारती के टॉप टेन विद्यार्थी	-	11

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से सम्बद्ध
भारतीय शिक्षा समिति उत्तराखण्ड
उत्तराखण्ड बोर्ड परीक्षा परिणाम 2024

इण्टरमीडिएट

प्रदेश की मैरिट में कुल विद्यार्थी	-	165
विवेकानन्द / सरस्वती विद्या मन्दिर के विद्यार्थी	-	50
कुल टॉप टेन विद्यार्थी	-	23
विद्या भारती के टॉप टेन विद्यार्थी	-	9

सरस्वती शिक्षा परिषद म0प्र0 महाकोशल प्रान्त

हाईस्कूल/हायर सेकेण्डरी परीक्षा परिणाम–सत्र–2023–24 प्रदेश मैरिट सूची

दिनांक 24 अप्रैल 2024

10th

क्र0	नाम	पिता का नाम	विद्यालय	जिला	अनुक्रमांक	प्राप्तांक	प्रदेश में स्थान
1	कु. अंकिता उरमलिया	श्री प्रहलाद उरमलिया	सरस्वती हा.से.स्कूल गंगानगर	जबलपुर	147140901	491	चौथा
2	कु. दिव्या पाण्डे	श्री देवेन्द्र कुमार पांडे	सरस्वती हाईस्कूल बैढ़न	सिंगरौली	143728218	489	छटवां
3	श्री आशीष कुमार बैस	श्री रामप्रकाश बैस	सरस्वती हाईस्कूल बैढ़न	सिंगरौली	143728244	489	छटवां
4	श्री नंद किशोर पटेल	श्री ब्रजकिशोर पटेल	स.शि.मं./उ.मा.वि. गुन्नौर	पन्ना	142333044	488	सातवां
5	कु.वैशाली लोधी	श्री देवेन्द्र सिंह लोधी	स.शि.मं./उ.मा.वि. मोतीनगर	सागर	142446793	487	आठवां
6	श्री शिवम तिवारी	श्री सत्य प्रकाश तिवारी	स.शि.मं./ हाईस्कूल जैरोन	निवाड़ी	142627248	485	दसवां
7	श्री ध्रुव विश्वकर्मा	श्री जगदीश प्रसाद विश्वकर्मा	स.शि.मं./ हाईस्कूल रामनगर	सतना	143138276	485	दसवां
8	श्री चंद्रेश मिश्रा	श्री जान्हवी कुमार मिश्रा	स.शि.मं./ हाईस्कूल नईगढ़ी	रीवा	143236917	485	दसवां

चौथा स्थान– 01, छटवें स्थान – 02, सातवें स्थान – 01, आठवें स्थान– 01, दसवां स्थान –03 कुल = 08

12th

क्र0	नाम	पिता का नाम	विद्यालय	जिला	अनुक्रमांक	प्राप्तांक	प्रदेश में स्थान	संकाय
1	कु.शैलजा दीक्षित	श्री श्याम मनोहर दीक्षित	स.शि.मं./उ.मा.वि. मोतीनगर	सागर	242442222	478	छटवां	वाणिज्य

छटवां स्थान–01, कुल–01

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

प्रज्ञा सदन
जी.एल.टी. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, नेहरू नगर,
महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली - 110065

@VidyaBharatiIN

www.vidyabharti.net www.vidyabharatisamvad.com
Email : vbabss@yahoo.com | vbsamvad@gmail.com
Contact Us : 91 - 11 -29840013, 29840126, 20886126

सेवा में ,